7 जुलाई 2017, शुक्रवार को इंदौर रेलवे स्टेशन पर आयोजित समारोह में माननीय लोक सभा अध्यक्ष का भाषण।

(1) इंदौर से गुवाहाटी के लिए नई साप्ताहिक रेलगाड़ी (19305/19306) का शुभारंभ (2) रीवा–इंदौर एक्सप्रेस (11703/11704) का महू (डॉ. अम्बेडकर नगर) तक विस्तार (3) इंदौर–महू रेल लाइन के विद्युतीकरण का लोकार्पण एवं (4) उज्जैन में हुए सिंहस्थ कुम्भ के दौरान रेलवे द्वारा दी गई सुविधाओं पर आधारित पुस्तक ''सिंहस्थ 2016– रेलवे परिप्रेक्ष्य में'' का विमोचन।

1. आज इंदौर में रेलवे के विकास और विस्तार कार्यों की श्रृंखला में एक साथ तीन नई उपलब्धियों की कड़ियां जुड़ना यहां की जनता की प्रेरणा और रेल मंत्रालय के सहयोग से ही संभव हो सका है। (1) इंदौर से गुवाहाटी के लिए नई साप्ताहिक ट्रेन का शुभारंभ (2) रीवा–इंदौर एक्सप्रेस को महू (डॉ. अम्बेडकर नगर) तक विस्तार किए जाने और (3) इंदौर–महू रेल लाइन के विद्युतीकरण का लोकार्पण करते हुए मुझे बहुत प्रसन्नता हो रही है। उज्जैन में पिछले साल आयोजित सिंहस्थ मेले पर आधारित पुस्तक ''सिंहस्थ 2016– ए रेलवे पर्सपेक्टिव'' का विमोचन भी होने जा रहा है। आज का दिन हम सब विशेष रूप से इंदौर और आसपास के क्षेत्रों के लोगों के लिए वास्तव में बहुत अच्छा है। एक ओर जहां इंदौर–महू विद्युतीकृत रेल लाइन का शुभारम्भ हो रहा है, वहीं रीवा–इंदौर एक्सप्रेस को महू तक बढ़ाया जा रहा है, इससे स्थानीय निवासियों को विशेष सुविधा होगी। भविष्य में महू satellite station के रूप में विकसित होगा।

2. मैं रेल मंत्री श्री सुरेश प्रभु और रेल राज्य मंत्री श्री मनोज सिन्हा की आभारी हूं, जिन्होंने इंदौर से गुवाहाटी के लिए यह साप्ताहिक रेलगाड़ी शुरू करने की शीघ्र ही व्यवस्था कर दी। सुरेश प्रभु जी आज गोवा में हैं और वहीं से रेलवे की इन सौगातों के शुभारम्भ समारोह में शामिल हो रहे हैं। इंदौर–गुवाहाटी ट्रेन को देवास, बीना,

झांसी, कानपुर, लखनऊ, सुल्तानपुर, जौनपुर, वाराणसी, गाजीपुर, बलिया, सोनपुर, हाजीपुर, बरौनी, बेगुसराय, खगड़िया, कटिहार, न्यू जलपाईगुड़ी, हसन, अलीपुरद्वार, कोकराझार, न्युबोंगाईगांव और कामाख्या होते हुए चलाया जाएगा, जिससे न केवल मध्यप्रदेश बल्कि उत्तरप्रदेश, बिहार, पश्चिम बंगाल, असम तथा पूर्वोत्तर राज्यों के लाखों यात्री लाभान्वित होंगे। इंदौर से यह नियमित साप्ताहिक ट्रेन प्रत्येक गुरुवार को दोपहर 2 बजे चलकर शनिवार दोपहर 2.25 बजे गुवाहाटी पहुंचेगी। वहीं, गुवाहाटी से यह ट्रेन रविवार को प्रातः 5.15 बजे प्रस्थान करेगी और मंगलवार को प्रातः 07.10 बजे इंदौर पहुंचेगी। मुझे बहुत खुशी है कि इंदौर के लोगों की यह मांग अब पूरी हो गई है।

3. हम सब जानते हैं कि गुवाहाटी भारत के महत्वपूर्ण रेलवे स्टेशनों में से है। इन्दौर–गुवाहाटी के बीच अब सीधा संपर्क होने से माता कामाख्या देवी मंदिर, गुवाहाटी जाने वाले श्रद्धालुओं को सुविधा होगी। नर्मदा के आंचल में बसे इंदौर से ब्रह्मपुत्र के तट पर बसे गुवाहाटी सहित पूर्वोत्तर के अन्य स्थानों की सैर करने वाले सैलानियों को भी सहूलियत हो जाएगी। ज्योतिष व तंत्र विद्या के प्रशिक्षुओं के आकर्षण के साथ–साथ कामाख्या देवी मंदिर आध्यात्मिकता का बड़ा केन्द्र है, जहां देशभर से श्रद्धालु दर्शनार्थ आते हैं। गुवाहाटी का सामरिक महत्व भी है और इस दृष्टि से इंदौर के समीपस्थ सैन्य छावनी महू तक इंदौर आकर पहुंचना सहूलियतभरा होगा। जब कोई दो शहर रेल से जुड़ते हैं तो यह जुड़ाव सिर्फ पटरियों से नहीं होता अपितु एक–दूसरे की और रास्ते में आ रहे सभी शहर, कस्बों, गांवों, सबका आपस में एक निजता का संबंध स्थापित होता है। ऐसे जुड़ाव से एक–दूसरे क्षेत्रों के रीति–रिवाज, तहजीब के आदान–प्रदान एवं खान–पान के बारे में जानने–समझने का अवसर मिलता है। ट्रेनों में यात्रा करने वाले सामान्य लोग संस्कृति के वाहक होते हैं। इन दो महत्वपूर्ण शहरों के जुड़ने से जहां एक ओर पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा, वहीं सांस्कृतिक आदान–प्रदान भी होगा।

4. इंदौर–महू के बीच विद्युतीकरण का कार्य भी पूरा हो चुका है, जिसका आज लोकार्पण हो रहा है और इसी कारण रीवा से इंदौर के बीच सप्ताह में तीन दिन चलने वाली ट्रेन का विस्तार डॉ. अम्बेडकर नगर (महू) तक करना संभव हो सका है। इससे देश के पूर्वी क्षेत्रों छत्तीसगढ़, बिहार, उत्तरप्रदेश आदि स्थानों से आकर महू व पीथमपुर औद्योगिक क्षेत्र में कार्य कर रहे लोगों और उनके परिजनों को अपने घर आने–जाने में सुविधा होगी। महू कैंट में कार्यरत सैनिकों को भी उन क्षेत्रों में अपने घर आने–जाने में सुगमता हो जाएगी।

5. पिछले साल उज्जैन में हुए सिंहस्थ में लाखों श्रद्धालुओं ने हिस्सा लिया। इतने विशाल आयोजन में रेलवे ने भी अपनी भूमिका बहुत उम्दा तरीके से एवं कुशलतापूर्वक निभाई और अब इन्हीं यादों को संजोए एक पुस्तक का रूप दे दिया है, जो बहुत रोचक है। मुझे विश्वास है कि यह पुस्तक सिंहस्थ कुम्भ के सफल आयोजन में रेलवे की महत्वपूर्ण भूमिका की सुनहरी स्मृति के रूप में पाठकों तक पहुंचेगी और अन्य शहरों में इसी प्रकार के बड़े आयोजनों एवं भविष्य में रेलवे प्रशासन के लिए महत्वपूर्ण संदर्भ ग्रंथ की तरह होगी। मैं रेल मंत्रालय, विशेषकर इस पुस्तक के सम्पादक मंडल को हार्दिक बधाई देती हूं।

6. मैं आशा करती हूँ कि हमारे रेल मंत्री के नेतृत्व में रेलवे देशवासियों की सभी अपेक्षाओं पर खरी उतरेगी और रेल यात्रा सुरक्षित और सुखद होने के साथ–साथ लोगों को वे सभी आरामदायक और आधुनिक सुख–सुविधाएं मिलेगी जो आधुनिकतम तकनीक से उपलब्ध हो सकती हैं। रेल मंत्रालय द्वारा Economy A.C. Class के डिब्बों का निर्माण जिनमें तापमान 25 डिग्री सेल्सियस नियंत्रित तौर पर रखा जाएगा एवं उनका किराया A.C. III के किराये से भी कम होगा। यह यात्री सुविधाओं की दृष्टि से एक क्रान्तिकारी कदम है और इससे आम जनता को वातानुकूलित श्रेणी में यात्रा करने की सुविधा प्राप्त होगी। मैं इस विचार एवं निर्णय के लिए रेल मंत्री एवं मंत्रालय का अभिनंदन करती हूं। यह संतोष की बात है कि रेलवे ट्रेनों में सुरक्षा बढ़ाने की कोशिशें

तेज करने के साथ-साथ यात्रियों को सजग बनाने के लिए जागरूकता अभियान भी चला रहा है। मैं इस अवसर पर लोगों से अपील करना चाहूंगी कि वे रेलवे की मदद करें तथा स्टेशनों और ट्रेनों के डिब्बों को साफ़-सुथरा रखने में सहयोग करें।

7. मैं एक बार फिर श्री सुरेश प्रभु जी, श्री मनोज सिन्हा जी और रेलवे के अधिकारियों को धन्यवाद देती हूं कि गुवाहाटी तक के लिए इस नई साप्ताहिक ट्रेन की व्यवस्था की और रीवा–इंदौर ट्रेन का महू तक विस्तार किया। अंत में, मैं सिर्फ एक बात और कहना चाहूंगी कि मेरे आग्रह पर रेल मंत्री जी ने इंदौर से अजमेर–जयपुर होते हुए सराय रोहिला (दिल्ली) तक ग्रीष्मकालीन विशेष ट्रेन चलाई, जो पूरी क्षमता से बहुत सफलतापूर्वक चली, लोगों की जरूरत को देखते हुए अब इसे नियमित करने की आवश्यकता है, मुझे विश्वास है कि रेल मंत्री जी इस अनुरोध को भी अतिशीघ्र पूरा करेंगे।

धन्यवाद ।